के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जुलाई – सितम्बर, 2016 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–10

(प्रभात कुमार अवस्थी)
संयुक्त प्रमुख (वित्त)

प्रस्तावना

अपने रोजमर्रा के कामकाज में हिन्दी का प्रचार–प्रसार हम सभी का संवैधानिक एवं नैतिक दायित्व है। इसीलिए राजभाषा हिन्दी में कामकाज का केवल शासकीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व है। यह सचमुच अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि हमारे कार्यालय से प्रकाशित आंतरिक तिमाही गृहपत्रिका 'सौदामिनी' इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य कर रही है। मेरा सदैव मानना रहा है कि इस पत्रिका के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अभिरूचियों को विकसित करने का अवसर मिलता है और वे अपनी अभिव्यक्ति कौशल के प्रदर्शन के लिए राजभाषा के प्रयोग के लिए प्रेरित भी होते हैं।

इस पत्रिका के प्रकाशन से हमें आयोग की समस्त गतिविधियों, कार्यक्रमों व उपलब्धियों की समुचित जानकारी भी प्राप्त हो रही है। सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों द्वारा लेख, निबंध एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से हम लगातार लाभान्वित हो रहे हैं। हिन्दी कार्यशालाओं, कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों, चर्चा परिचर्चा, प्रभनोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त समय–समय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिन्दी के प्रचार–प्रसार का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विजेताओं की रचनाधर्मिता तथा वक्तृत्व–शैली का भी हमें परिचय प्राप्त हो रहा है। पत्रिका की सुरुचि–संपन्नता, गुणवत्ता एवं पठनीयता के लिए संपादक मंडल बधाई का पात्र है।

पत्रिका के इस नवीनतम अंक के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के स्थापना दिवस की अठारहवीं वर्षगांठ – 24 जुलाई, 2016

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग ने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपनी अठारहवीं वर्षगांठ आयोजित की। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीय श्री बिबेक देबरॉय, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सुश्री शुभा शर्मा, सचिव ने अपने स्वागत संबोधन में केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग की उपलब्धियों को रेखांकित किया। सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष, केविविआ ने अपने अभिभाषण में आमंत्रित अतिथि श्री बिबेक देबरॉय का स्वागत किया और यह भी स्पष्ट किया कि यद्यपि आयोग अर्द्धन्यायिक निकाय है तथापि यह सरकार की नीतियों व प्राथमिकताओं को पूर्ण मान्यता देता है और समुचित विनियामक प्रोत्साहन प्रदान करने में सरकार से सामंजस्य स्थापित करने का पूर्ण प्रयास करता है। अपना व्याख्यान आंरभ करते हुए श्री बिबेक देबरॉय ने केविविआ के समस्त स्टाफ सदस्यों को आयोग के 18 वर्ष पूरे होने पर बधाईयां और शुभकामनाएं दी। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित श्री बिबेक देबरॉय ने अपने व्याख्यान में विकासकर्ताओं तथा उपभोक्ताओं के बीच समन्वय के लिए विनियामकों के महत्व को रेखांकित किया एवं अर्थव्यवस्था से संबंधित जटिल मुददों को दिलचस्प उदाहरण देकर सरलता से प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्र के विकास में राजनीति–सामाजिक–आर्थिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं के साथ–साथ उसके दार्शनिक पक्ष को भी विश्लेषित किया। इसके साथ ही उन्होंने शासन और सुशासन के सूक्ष्म भेद को स्पष्ट करते हुए अर्थव्यवस्था के विकास को व्यापक परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से श्री देबरॉय ने समाज के विकास में विद्युत क्षेत्र की क्रांतिकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए संबंधित विनियमों एवं विनियामकों की महत्वपूर्ण भूमिका को नए एवं अनछुए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने मौलिक एवं प्रखर विचारों से विकासोन्मुखता को शहर केन्द्रित करने के बजाय गांव केन्द्रित करने पर बल देते हुए विद्युत क्षेत्र की देश के सर्वतोमुखी विकास में उल्लेखनीय भूमिका का आहवान किया।

इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि द्वारा केविविआ कम्पेडियम का विमोचन भी किया गया।

केविविआ के माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा आमंत्रित अतिथि का स्वागत